

(श्री बाबू राव परांजपे)

6. सड़कों में आवश्यक सुधार तथा निर्माण ।
7. रेलवे कालोनी में सीढ़ीदार पुल के स्थान पर ढलवां पुल का निर्माण ।
8. एक पुल स्टीम शेड से, यार्ड से होते हुए डीजल रोड न्यू लाइन के ऊपर से निर्माण कराया जाय, तथा दूसरा पुल न्यू यार्ड से कैरेज एण्ड वॉगन पुराना सिंक लाइन तक बनाया जाए ।

अतः रेल मंत्री जी से अनुरोध है कि यह कार्य अचलम्ब सम्पन्न करावें । इससे वहाँ के लोगों को सुविधा होगी ।

(vi) *Need to extend the measures taken by Port Commissioners for Western side to check erosion and to save villagers of Kakdwip on Eastern side of the river Muriganga*

SHRI NIRMAL SINHA (Mathurapur) :
Mr. Chairman, Sir, near the Bay of Bengal the river Hoogly is bifurcated into two streams, the eastern one is called the Muriganga river flowing along side Kakdwip, Sagar and Namkhana Police Stations in 24 Parganas of West Bengal and falls in the Bay. This river is very broad, deep and bears under current. Now the mouzas Sibkalinagar, Lokshnipur, Madhusudanpur Uttar Chandrapur and Kalinagar of Kakdwip P.S. Choramara island of Sagar P.S. and the Western part of Mausuni island being by the side of this river are prone to severe erosion due to its powerful current. The Lohachara island of Sagar P.S. has been so badly eroded by the tremendous current of down Hoogly river that all the inhabitants had to be shifted elsewhere for safety. Gobardhanpur, Sitarampur, Buraburirtat etc. of Patharpritima P.S. are the victims of the furies of several other rivers of Sunderban. All the semouzas of Sunderban Region are densely populated and their fertile lands produce various types

of crops. The mouzas of Kakdwip P.S. are just opposite the Haldia port. Though the port Commissioners are trying to reverberate the erosive functions of the current near Haldia by adopting Porcupine Process, yet their activities are confined to the western side of the river only, the eastern side mouzas of Subderban region are in great peril.

Under these aircumstances, I urge upon the Government of India to save the mouzas of Kakdwip P.S. on eastern bank of the river by extending the activities of Port commissioners and also save the areas mentioned above by adopting immediately necessary measures to check erosion and reverberate the erosive effects of the current of the rivers concerned.

(vii) *Need to solve the problem of acute water scarcity in Danapur Cantt. and some areas of Patna.*

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : गर्मी का मौसम शुरू होते ही दानापुर छावनी बोर्ड एवं पटना नगर के दर्जनों मोहल्लों में पेयजल का अकाल पैदा हो गया है । नहाने धोने की बात तो दूर रही लोगों को पेय जल भी नहीं मिल रहा है । सर्वत्र लोगों में हाहाकार है ।

दानापुर छावनी बोर्ड का प्रबन्ध भारत सरकार के अधीन है । फिर भी वहाँ के निवासियों को पिछले कई वर्षों से समय - समय पर और खास कर गर्मी के दिनों में पानी की कमी का सामना करना पड़ता है । विभिन्न तरीकों से मैंने दानापुर में पेयजल की कमी का सवाल उठाया है । सरकार ने कुछ मात्रा पूर्व पानी की व्यवस्था करने के लिए छावनी बोर्ड को पौने तीन लाख रुपए की सहायता भी भेजी । परन्तु दुःख है कि पेयजल की व्यवस्था अब तक नहीं की जा सकी है ।

दानापुर छावनी बोर्ड के अन्तर्गत एक बड़ी टंकी एक लम्बे अर्से से बन्द कर रखा है । परन्तु